आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–10 जून 2025 **सान्ध्य समाचार**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले ग्यारह वर्ष में भारत के रक्षा क्षेत्र में हुए उल्लेखनीय परिवर्तन पर प्रकाश डाला है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा है कि रक्षा उत्पादन में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह देखना उत्साहजनक है कि कैसे भारत के लोग राष्ट्र को मजबूत करने के साझा संकल्प के साथ एकजुट हुए हैं।

****

देश में पिछले एक दशक के दौरान सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण नीतियों के तहत उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आकाशवाणी समाचार पिछले ग्यारह वर्षों में प्रमुख क्षेत्रों में सरकार के प्रयासों और उपलब्धियों पर विशेष श्रृंखला प्रसारित कर रहा है। इस कड़ी में आज हम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किये गये प्रयासों की जानकारी दे रहे हैं।

नदियों को पुनर्जीवित करने से लेकर पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने और हरित बुनियादी ढाँचा बनाने तक देश ने एक मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। नमामि गंगे मिशन दुनिया के सबसे बड़े नदी कायाकल्प कार्यक्रमों में से एक है। इसने जल की गुणवत्ता में सुधार किया है, जैव विविधता को बढ़ाया है और गंगा के पुनरुद्धार में स्थानीय भागीदारी को प्रोत्साहित किया है। इसके साथ ही स्वच्छ भारत मिशन और गोबरधन योजना ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन को बदल दिया है। एक पेड़ माँ के नाम जैसे अभियानों ने नागरिकों को पर्यावरणीय कार्रवाई के लिए प्रेरित किया है। देशभर में एक सौ बयालिस करोड़ से अधिक पेड़ लगाए गए हैं, जो कार्बन अवशोषण और पारिस्थितिक बहाली में योगदान करते हैं। भारत ने वन्यजीव संरक्षण में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। प्रोजेक्ट चीता, प्रोजेक्ट लॉयन और विस्तारित प्रोजेक्ट टाइगर जैसी पहल आवास विकास और प्रजातियों की बहाली पर ध्यान केन्द्रित करती हैं। भारत में अब तीन हजार छह 82 बाघ हैं, जो दुनिया की जंगली बाघ आबादी का 75 प्रतिशत से अधिक है। भारत में वर्तमान में 91 रामसर स्थल हैं, जो एशिया में सबसे अधिक है। इस दौरान तटीय और आर्द्रभूमि संरक्षण ने भी गति पकड़ी है। 13 भारतीय समुद्र तटों ने प्रतिष्ठित ब्लू फ्लैग प्रमाणन अर्जित किया है, जबकि अमृत धरोहर और मिष्टी जैसी योजनाएं आर्द्रभूमि और मैंग्रोव के संरक्षण को आगे बढ़ा रही हैं। विष्णु की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से वैष्णवी।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन–एनडीए सरकार के ग्यारह वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रदर्शनी का आज अवलोकन किया। इस दौरान आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंच प्रण और ग्यारह संकल्प प्रत्येक भारतवासी को याद कराए थे। सरकार ने विकसित भारत की जो आधारशिला रखी है वह इन्हीं पंच प्रण को ध्यान में रख कर रखी गई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम सभी ने एक नए भारत का दर्शन किया है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज बहराइच जिले में महाराजा सुहेलदेव के विजय उत्सव में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने महाराजा सुहेलदेव के स्मारक और भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने जनपद को एक हजार दो सौ तैंतालिस करोड़ रूपये लागत की लोक कल्याणकारी परियोजनाओं की सौगात भी दी। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने लखनऊ में महाराजा बिजली पासी का भव्य स्मारक बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने महाराजा सुहेलदेव के व्यक्तित्व और यशगाथा की चर्चा करते हुए कहा कि बहराइच का कोई भी आयोजन किसी विदेशी आक्रांता के नाम पर नहीं होना चाहिए। वहां के आयोजन महाराज सुहेलदेव, बालार्क ऋषी और मां पाटेश्वरी के नाम पर ही होने चाहिए।

****

अंतरिक्ष अनुसंधिक प्रयोगों के लिए एक्सिओम स्पेस कंपनी के चौथे मिशन की रवानगी कल तक के लिए स्थगित कर दी गयी है। खराब मौसम के कारण यह निर्णय लिया गया। इस मिशन को लखनऊ के शुभांशु शुक्ला लीड कर रहे हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बताया कि अब एक्सिओम चार मिशन भारतीय समयानुसार कल शाम साढ़े पांच बजे केप कैनेवरल के कैनेडी स्पेस सेंटर से भेजा जाएगा। प्रस्तुत है एक रिपोर्ट–

अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर स्पेस एक्स ड्रैगन, कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉच पैड 39 से रवाना होगा। इस ऐतिहासिक मिशन में भारत के शुभांशु शुक्ला के अतिरिक्त अमरीका, पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री 14 दिन तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केन्द्र में रहेंगे। शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम स्पेस से जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि वे इस मिशन में शामिल होकर बहुत ही गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। चेन्नई से जॉय की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से मैं आशा निवेदी।

****

ज्येष्ठ मास का पांचवे और अंतिम बड़े मंगलवार पर पूरे प्रदेश में पूजा अर्चना और भंडारे के आयोजन किये जा रहे हैं। इस अवसर पर गोरखपुर के प्राचीन मानसरोवर मंदिर पर हनुमान जी का षोडशोपचार पूजन किया गया।

****